बुधवार
17 जून 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 144
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पल्टन बाजार में कपड़ों के गोदाम में लगी भीषण आग

हमारे संवाददाता

देहरादून। पल्टन बाजार स्थित कपड़ों के गोदाम में आज सुबह सवेरे आग लग जाने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस के कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की इस घटना से लाखों के नुकसान की बात कही जा रही है। जबकि पुलिस आग लगने के कारणो की जांच में जुटी है।

राजधानी देहरादून के सबसे व्यस्त और पुराने व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल पलटन बाजार में आज सुबह एक बड़ा अग्निकांड हो गया। यहां स्थित ननकानी गारमेंट्स के गोदाम में अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली नगर को सूचना मिली कि पलटन बाजार स्थित एक दुकान के तृतीय तल पर आग लग गई है। उक्त सूचना पर कोतवाली नगर से पुलिस बल तथा फायर स्टेशन देहरादून से दमकल के वाहन तत्काल मौके पर पहुंचे तथा राहत व बचाव कार्य प्रारम्भ किया गया। मौके पर दमकल के 4 वाहनों द्वारा कडी मशक्कत के बाद कपडों की दुकान के तृतीय तल पर बने गोदाम में लगी आग पर

काबू पाया गया।

घटना के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि पलटन बाजार स्थित ननकानी गारमेंट्स के तृतीय तल पर लिफ्ट लगाने का कार्य चल रहा था तथा उक्त कार्य के लिये वैल्डिंग का कार्य करने वाले व्यक्ति आये हुए थे। इस दौरान तृतीय तल पर स्थित कपडे के गोदाम में अचानक आग लग गई तथा गोदाम में रखा सारा सामान जल गया। साथ ही पुलिस द्वारा आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

अग्निकांड में गोदाम के भीतर रखा साड़ी, लहंगा और अन्य कपड़ों का बड़ा स्टॉक जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, नुकसान का वास्तविक आंकलन जांच और स्टॉक के मूल्यांकन के बाद ही सामने आ सकेगा।

❑कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

पलटन बाजार देहरादून का सबसे बड़ा और व्यस्त बाजार माना जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। राहत की बात यह रही कि आग बाजार के अत्यधिक व्यस्त समय में नहीं लगी। यदि यह घटना भीड़भाड़ के दौरान होती, तो जनहानि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता था। फिलहाल पुलिस और अग्निशमन विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

एसआईआर की प्रक्रिया सवालों के घेरे में

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में इन दिनों चल रही एसआईआर की प्रक्रिया में तमाम तरह की मुश्किलें आने और धांधली की खबरें आनी शुरू हो गई है। वहीं इस प्रक्रिया के अत्यंत ही धीमी गति से चलने और इस काम में लगे बीएलओ तथा

●बीएलओ भी फॉर्म भरना नहीं जानते ●अभी तक लोगों तक नहीं पहुचे फॉर्म

सुपरवाइजर की लापरवाहियों की भी शिकायतें मिल रही हैं। मतदाताओं को अभी से इस बात की आशंकाएं सताने लगी है कि कहीं अन्य प्रदेशों की तरह उनके नाम भी मामूली सी आपत्तियों के कारण काटकर उन्हें मताधिकार से वंचित न कर दिया जाए।

राज्य में फरवरी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कराई जा

●वोटरों को सता रहा है वोट काटे जाने का भय

रही एसआईआर (गहन मतदाता सूची पुर्न निरीक्षण) की यह प्रक्रिया 8 जून को शुरू हुई थी। राज्य में लगभग 80 लाख से अधिक मतदाता हैं। जिसमें अब कुछ युवा मतदाताओं के नाम भी जोड़े जाने हैं तथा मृतक जिनके नाम सूची में है काटे जाने हैं साथ ही अवैध मतदाताओं की छटनी की जानी है। जानकारी के मुताबिक अब तक 80 फीसदी के लगभग मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए बांटे जा चुके हैं। लेकिन रुद्रप्रयाग, चमोली, कर्णप्रयाग में अधिसंख्य मतदाताओं के पास फार्म नहीं पहुंचे हैं। राजधानी दून के रायपुर, अनारवाला, जोहड़ी गांव, सिनौला, मालसी, राजपुर सहित दर्जन भर क्षेत्रों में भी अभी तक कई लोगों को फॉम नहीं मिले हैं, जो एसआईआर की सुस्त गति को दर्शाता है।

दूसरी ओर एसआईआर के काम में लगे बीएलओ जो अध्यापक और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां हैं उन्हें खुद भी फॉर्म भरना नहीं आता है। ऐसे में मतदाताओं की समस्याओं तथा फॉर्म भरने में आ रही दिक्कतों को वह दूर नहीं कर पाते हैं। केंद्र द्वारा चुनाव से एन पूर्व एसआईआर करने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। देखना होगा कि यह एसआईआर कितना सफल और असफल रहता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

राहुल का असहयोग आंदोलन

राहुल गांधी द्वारा जारी किया गया अपना एक 9 मिनट 23 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, उसे देश के उन तमाम नेताओं को जरुर देखना और सुनना चाहिए जो उन्हें नॉन सीरियस नेता से लेकर मूर्ख बताते या समझते रहे हैं। देश की जनता को भी उनके इस देश की राजनीति में तहलका मचा देने वाले भाषण को सुनना चाहिए क्योंकि इसमें देश के वर्तमान राजनीतिक हालात पर उनके द्वारा न सिर्फ पूरी बेबाकी के साथ अपनी बात कही गई है बल्कि संवैधानिक सिस्टम को सत्ता द्वारा संपूर्ण समाप्त करने की बात कही गई है। उनका कहना है कि विपक्ष को किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि वह लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा को हराकर सत्ता से बाहर कर सकते हैं। अब देश में कोई भी चुनाव नहीं जीत सकता है क्योंकि चुनाव आयोग से लेकर अन्य सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया है न्यायपालिका से लेकर ब्यूरोक्रेट्स तक और मीडिया तक सभी सत्ता के अनुकूल काम कर रहे हैं यहां तक कि अब सोशल मीडिया पर अपनी बात कहना मुश्किल हो गया है। विपक्ष को इस भ्रम से बाहर निकालने की जरूरत है कि देश में लोकतंत्र है सरकार है जो संविधान के अनुसार काम करने पर बाध्य है। विपक्ष को अस्तित्वहीन बनाने के लिए उन्हें तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। विपक्ष का अस्तित्वहीन होने का मतलब है उस जनता के अस्तित्व का समाप्त होना जिसने आपको वोट देकर चुना है। राहुल गांधी का कहना है कि जब न्याय की आस समाप्त हो चुकी है और चुनावी निष्पक्षता शेष नहीं बची तो सिर्फ एकजुट होकर सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने और असहयोग आंदोलन छेड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता है। जिसे वह रेसिस्टेंस का नाम देते हैं और वह आपसी मतभेद तथा निजी स्वार्थ को त्याग कर एकजुट होने का आह्वान करते हैं उनका कहना है कि विपक्ष के नेताओं के आलोचनाओं के जहर को पीने के लिए वह तैयार हैं साथ ही वह अपने इस आंदोलन को सत्य अहिंसा व करुणा के मूल्यों के साथ संवैधानिक दायरे में रहकर आगे बढ़ाने की बात कहते हैं। उन्होंने शायद यह बात इसलिए भी कही है क्योंकि सत्ता में बैठे लोग उन पर जेन जे के जरिए देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगा चुके हैं तथा पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे जो मुद्दे कॉकरोच जनता पार्टी की प्राथमिकता में है वह उनके आंदोलन की भी प्राथमिकता है। कई लोग तो दोनों को साथ मिलकर इस लड़ाई को लड़ने का सुझाव दे चुके हैं। राहुल गांधी अब अपनी राजनीतिक लड़ाई की लकीर खींच चुके हैं। लड़ाई लंबी चलेगी यह भी कह चुके हैं। राष्ट्रीय हित व सामाजिक सरोकारों की इस लड़ाई में इंडिया गठबंधन के कितने दल और नेता साथ होंगे या नहीं होंगे इस बात से उनका कोई सरोकार नहीं है वह यह कह जरूर रहे हैं कि सभी साथ आए तो लड़ाई आसान होगी वरना वह अपने कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं के साथ अकेले ही अंतिम सांस तक लड़ेंगे भले ही उनका सर काट दिया जाए। एनसीपी और टीएमसी तथा राजद जैसे दलों व शिवसेना को यह समझ आ चुका है कि उनका अब अकेले वजूद क्या बचा है। रामविलास पासवान की लोजपा और नीतीश की जदयू भी इसी कतार में है। 2027 में सपा को भी संभावित खतरे का आभास बंगाल के चुनावी नतीजो से हो चुका है। कांग्रेस न सिर्फ आर पार की लड़ाई का ऐलान कर चुकी है अपितु आज कोटा से अपना आंदोलन शुरू कर चुकी है। देश के सभी जाति व वर्ग के लोग जो भाजपा के कुशासन से मुक्ति चाहते हैं तथा देश के युवा और बेरोजगार जिनके सामने जीवन मरण के हालात हैं इस जंग में कौन-कौन किस हद तक उनके साथ आते हैं इसका पता उनकी चार जनसभाओं से हो जाएगा कि इस असहयोग आंदोलन से देश की राजनीति और सिस्टम बदलेगा या नहीं और यह आंदोलन जो राहुल ने शुरू किया है क्या बीजेपी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकेगा?

मकान का ताला तोड जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरभजवाला निवासी कामिनी देवी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान पर रखी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बडकोट उत्तरकाशी निवासी कैलाश राणा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से यहां खलंगा में आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल वहां पास में ही खडी की थी। लेकिन जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केदारनाथ का कायाकल्प पीएम मोदी की इच्छाशक्ति का परिणामः तीरथ सिंह रावत

हमारे प्रतिनिधि

केदारनाथ। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने आज पवित्र केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के विशेष दर्शन किए। उन्होंने सुबह की आरती में शामिल होकर अपनी आस्था व्यक्त की। दर्शन के बाद मीडिया से विशेष बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री ने केदारनाथ के अद्भुत पुनर्निर्माण को लेकर गहरी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि 2013 की विनाशकारी आपदा के बाद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि केदारनाथ मंदिर इतना सुंदर, भव्य और दिव्य रूप में निखरकर सामने आएगा।

तीरथ सिंह रावत ने 2013 की आपदा का जिक्र करते हुए कहा, "उस समय पूरा देश सदमे में था। प्रकृति का रौद्र रूप देखकर लगा था कि केदारनाथ को फिर से पहले जैसा बनाना असंभव है। मंदिर क्षेत्र मलबे में तब्दील हो चुका था, चारों तरफ तबाही का मंजर था। लेकिन आज वही केदारनाथ एक नई पहचान के साथ पूरी दुनिया के सामने एक उदाहरण बनकर खड़ा है।"

उन्होंने इस चमत्कारिक बदलाव का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा कि केदारनाथ के नवनिर्माण में सबसे बड़ी भूमिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी ने इस कार्य को अपने व्यक्तिगत मिशन की तरह लिया। उनकी दूरदर्शिता, निरंतर निगरानी और अथक प्रयासों से केदारनाथ न केवल पुरानी भव्यता को वापस पा गया, बल्कि एक विश्व स्तरीय आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो गया। "दिन-रात की मेहनत और मजबूत इच्छाशक्ति के कारण

आज लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के यहां पहुंच रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल ने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। केदारनाथ धाम का भव्य पुनर्निर्माण इस कालखंड की सबसे प्रेरणादायी उपलब्धि हैष। इसी अवधि में देश ने अभूतपूर्व विकास की लहर देखी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई। गरीबों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तिकरण और हिमालयी क्षेत्रों के समग्र विकास ने भारत की तस्वीर बदल दी। केदारनाथ पुनर्निर्माण इसी समग्र विकास दर्शन का हिस्सा है।

2013 की आपदा के बाद जब केदारनाथ तबाह हो चुका था, तब पीएम मोदी ने इसे अपने व्यक्तिगत संकल्प में बदला। उनकी विजन और निरंतर फॉलो-अप के चलते मंदिर क्षेत्र में भव्य घाट बनाए गए, आधुनिक सुविधाएं विकसित की गईं, हेलीपैड का निर्माण किया गया, बेहतर सड़कें बनाई गईं और स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया गया। इन प्रयासों से लाखों तीर्थयात्रियों के सपने साकार हो रहे हैं।

तीरथ सिंह रावत ने केदारनाथ धाम में बनी आधुनिक सुविधाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "आज तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सड़कें, हेलीपैड, आधुनिक चिकित्सा केंद्र और ठहरने की उत्तम व्यवस्था उपलब्ध है। यह सब प्रधानमंत्री के मास्टर प्लान का ही परिणाम है। हर तीर्थयात्री यहां आकर सरकार की इन कोशिशों को महसूस कर सकता है। केदारनाथ अब न सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि सुविधाओं का भी बेहतरीन उदाहरण बन गया है।" पूर्व मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्य सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मुश्किल वक्त में दोनों सरकारों का एकजुट प्रयास ही इस पुनर्निर्माण की सफलता का आधार बना। चार धाम यात्रा के इस पावन मौके पर उनका यह बयान भक्तों के बीच नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर रहा है।

केदारनाथ का नवनिर्माण केवल एक मंदिर की मरम्मत नहीं था, बल्कि यह एक व्यापक विकास का प्रतीक बन गया। इस परियोजना में पर्यावरण संरक्षण, सस्टेनेबल टूरिज्म और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को विशेष महत्व दिया गया। मंदिर परिसर में नई इमारतें, यात्री

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

गांवों से लेकर सोशल मीडिया तक 'सियासी जंग'

●चुनाव में अभी समय, लेकिन मैदान में उतर चुके हैं दोनों दलों के कार्यकर्ता

●भाजपा सरकार की उपलब्धियों के सहारे, कांग्रेस जनमुद्दों के सहारे बना रही रणनीति

●बेरोजगारी, पलायन, महंगाई और विकास के मुद्दों पर तेज होगी 2027 की जंग

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 में अभी डेढ़ वर्ष से अधिक का समय शेष है, लेकिन सियासी दलों ने चुनावी रण की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। सत्ता में बैठी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ही गांव की चौपालों, कस्बों की बैठकों, सोशल मीडिया अभियानों और संगठनात्मक गतिविधियों के जरिए अपनी-अपनी जमीन मजबूत करने में जुट गई हैं। प्रदेश की राजनीति में अब हर कार्यक्रम, हर दौरा और हर बयान को चुनावी नजरिए से देखा जाने लगा है।

भाजपा जहां लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का इतिहास रचने की तैयारी कर रही है, वहीं कांग्रेस दस साल के सत्ता वनवास को समाप्त करने के लिए पूरी ताकत झोंकने की रणनीति पर काम कर रही है। यही वजह है कि दोनों दलों के नेता गांव-गांव पहुंच रहे हैं और संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने में लगे हैं।

सत्तारूढ़ भाजपा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकास कार्यों, निवेश, सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी, समान नागरिक संहिता और धार्मिक पर्यटन जैसे मुद्दों को जनता के बीच ले जाने की तैयारी में है। प्रदेश संगठन भी बूथ सशक्तिकरण अभियान पर जोर दे रहा है। पार्टी का लक्ष्य है कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं का मजबूत नेटवर्क तैयार किया जाए। भाजपा नेताओं का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली सफलता का लाभ 2027 में भी मिल सकता है, यदि संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जाए। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय नेताओं, प्रदेश प्रभारी और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के लगातार उत्तराखंड दौरे हो रहे हैं। जिलों और मंडलों में बैठकों का सिलसिला तेज हो गया है। पार्टी विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान दे रही है, जहां पिछले चुनावों में जीत का अंतर कम रहा था।

दूसरी ओर कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक, पलायन, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थानीय युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति पर काम कर रही है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि प्रदेश में एंटी-इंकम्बेंसी का लाभ उसे मिल सकता है। इसी कारण पार्टी नेताओं को जनता के बीच जाने और जनसंवाद बढ़ाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। प्रदेश प्रभारी से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक लगातार जिलों का दौरा कर संगठन को सक्रिय करने में जुटे हैं। कांग्रेस की चुनौती केवल भाजपा से मुकाबला करना नहीं है, बल्कि अपने भीतर की गुटबाजी को नियंत्रित रखना भी है। पार्टी नेतृत्व जानता है कि यदि संगठन एकजुट रहा तो मुकाबला अधिक प्रभावी हो सकता है।

उत्तराखंड के चुनावों में हमेशा गांव और ग्रामीण मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों का फोकस गांवों की चौपालों पर है। नेता अब शहरों से निकलकर दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों की पगडंडियां नाप रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बैठकों, जनसंपर्क अभियानों और स्थानीय मुद्दों को उठाने का सिलसिला तेज हो गया है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और पलायन जैसे मुद्दे चुनावी बहस के केंद्र में दिखाई देने लगे हैं। विधानसभा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बीएमएम कॉलेज के पंजीकरण पर छात्रों ने उठाए सवाल, सीडीओ ने दिए जांच के निर्देश

नई टिहरी(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में प्रभारी डीएम / सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान चंबा के बुरांसबाड़ी स्थित बीएमएम कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज के पंजीकरण और शैक्षणिक अभिलेखों की जांच की मांग उठाई। छात्र-छात्राओं ने कहा कि उनके पंजीकरण और शैक्षणिक अभिलेखों की वैधता संदिग्ध होने के कारण उच्च शिक्षा संस्थान में प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन के साथ रोजगार संबंधी आवश्यक शैक्षणिक कार्यों से वह वंचित होने की स्थिति में है। सीडीओ ने प्रशिक्षु आईएएस ज्योति की अध्यक्षता में समिति गठित कर जांच रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध होने पर कार्रवाई का भरोसा दिया। वहीं, भागीरथी पुरम के ग्राम चवादंता के रविंद्र चौहान ने खेमडा-कुंडाली सड़क पर तालाब बनाएं जाने की शिकायत दर्ज करवाई। कहा कि एक व्यक्ति ने सड़क के बीच में तालाब बनाएं है जिससे उनके घर को खतरा हो गया है। सीडीओ ने लोनिवि के ईई को शीघ्र जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जाख के ग्रामीणों ने गांव की गौचर भूमि पर पर्यटन विभाग की ओर से बिना जांच-पड़ताल के पैराग्लाइडिंग गतिविधियों की अनुमति दिए जाने की शिकायत दर्ज की। सीडीओ ने सदर को एसडीएम को तत्काल जांच कर कार्रवाई करने को कहा। बौराड़ी के सामुदायिक मिलन केंद्र के समीप कुछ लोगों ने नालियां बंद किए जाने और सड़क पर मलबा डाले जाने की स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने शिकायत दर्ज करवाई।

डीएम ने की सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा

चमोली(आरएनएस)। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिला सभागार में सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। सिमली के चंद्रमोहन की ओर से दर्ज शिकायत में कहा गया कि सिमली में मिठाई की दुकानों में नकली मावा मिल रहा है। इस पर डीएम ने अभिहित अधिकारी को शीघ्र सिमली सहित अन्य बाजारों में मिठाई की दुकानों में चेकिंग अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। थराली के राकेश जोशी ने शिकायत की कि थराली में जिला पंचायत की ओर से 2021 से पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है जो अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। डीएम ने जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी को शीघ्र मामले के निस्तारण के निर्देश दिए। रणजीत सिंह ने कहा कि उद्यान विभाग ने कोल्ड स्टोर निर्माण के लिए उनकी निजी भूमि ली मगर उसका किराया नहीं दिया है। थराली-वाण मार्ग की बदहाल स्थिति को सुधारने, पॉली हाउस निर्माण, फरखेत में वन पंचायत की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण कार्य की सुस्त रफ्तार की शिकायत की गई। जिलाधिकारी ने कर्णप्रयाग के भूधंसाव क्षेत्र बहुगुणा नगर की जानकारी भी ली। उन्होंने पुनर्वास की फाइल को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ज्योतिर्मठ के पल्ला जखोला गांव के आपदा प्रभावितों के विस्थापन की कार्रवाई भी तेज करने के निर्देश दिए।

पूल्ड हाउस के नालियों की सफाई न होने पर जताया आक्रोश

नई टिहरी(आरएनएस)। नरेंद्रनगर सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण क्लब से जुड़े लोगों ने पूल्ड हाउस की नालियों की सफाई न किए जाने पर आक्रोश जताया। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंप शीघ्र नालियों के साफ-सफाई करने की मांग उठाई। जल्द समस्या का समाधान न होने पर धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी। कर्मचारी क्लब के अध्यक्ष धर्म सिंह चौहान, हर्षमणि भट्ट ने कहा कि नरेंद्रनगर में राजशाही के समय बने आवासीय भवन को तोड़कर गत चार वर्षों से वहां पर पूल्ड हाउस का निर्माण किया जा रहा है लेकिन नालियों की साफ-सफाई न होने से बरसात का पानी नालियों में जमा हो जाता है। इससे पानी नीचे की ओर बने लोगों के निजी आवासों में जा रहा है। घरों में सीलन आ रही है। कहा कि बरसात का मौसम आने वाला है समय रहते उचित समाधान नहीं किया गया तो समस्या और गंभीर हो जाएगी। कहा कि संगठन की ओर से पहले भी पत्राचार किया गया है लेकिन समाधान नहीं हो पाया। उन्होंने नालियों की साफ-सफाई और इधर उधर बिखरे मलबे को हटाने की मांग की हैं। पदाधिकारियों ने लोनिवि से सेवानिवृत्त हुए वर्कचार्ज कर्मियों को पेंशन नहीं दिए जाने पर आक्रोश जताया गया। इस बाबत लोनिवि के ईई प्रवीण कर्णवाल ने कहा कि विभाग की ओर से नालियां खोल दी गई है लेकिन आगे की ओर कुछ लोगों के भवन बने होने के कारण नालियां नहीं खुल पा रही है। मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। कहा कि कर्मियों के पेंशन न्यायालय के आदेश के बाद निर्गत की जा रही है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

‘तकली’ की घूमती धुरी अब थमी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की संस्कृति केवल उसके मंदिरों, मेलों और लोकगीतों में ही नहीं बसती, बल्कि उन छोटे-छोटे औजारों में भी जीवित रही है जिन्होंने सदियों तक लोगों की आजीविका को सहारा दिया। इन्हीं में से एक थी तकली जो पहाड़ की महिला और पुरूषों के हाथों में घूमती थी और भेड़ों की ऊन को धागे में बदल देती थी। यही धागा आगे चलकर गर्म कपड़ों, पट्टू, थुलमा, पंखी और कई पारंपरिक वस्त्रों का आधार बनता था। आज समय बदल गया है। मशीनों से बने कपड़ों और बाजार की चकाचौंध के बीच तकली की धीमी गति कहीं खो गई है। पहाड़ के गांवों में कभी आम दृश्य रही तकली अब संग्रहालयों और बुजुर्गों की यादों तक सिमटती जा रही है।

एक समय था जब गढ़वाल और कुमाऊं के अधिकांश गांवों में भेड़-बकरियां पालना आम बात थी। ऊंचाई वाले इलाकों में रहने वाले परिवार सैकड़ों भेड़ों के झुंड रखते थे। गर्मियों में ये झुंड बुग्यालों की ओर निकल जाते और सर्दियों में निचले इलाकों की ओर लौट आते। भेड़ों से प्राप्त ऊन केवल घरेलू जरूरतों को ही पूरा नहीं करती थी, बल्कि व्यापार का भी महत्वपूर्ण साधन थी। ग्रामीण ऊन बेचकर अपनी आर्थिक जरूरतें पूरी करते थे। कई परिवारों की पूरी आजीविका इसी पर निर्भर थी।

भेड़ों से ऊन काटने के बाद उसे साफ किया जाता था। फिर गांव की

●पहाड़ की ऊन, भेड़-बकरियां और सदियों पुरानी आजीविका विलुप्ति के कगार पर

●कभी हर आंगन में गूंजती थी तकली की खनक, नई पीढ़ी को इसका नाम तक नहीं मालूम

●कभी थी गढ़वाल और कुमाऊं की पारंपरिक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा

महिलाएं और पुरूष तकली की मदद से उस ऊन को बारीक धागे में बदलती थीं। घर के आंगन, चौक और खेतों की मेड़ों पर बैठकर महिलाएं बातचीत के साथ-साथ तकली चलाती थीं। यह केवल काम नहीं था बल्कि सामाजिक जीवन का हिस्सा था। लोकगीतों और कहानियों के बीच तकली घूमती रहती और धीरे-धीरे ऊन मजबूत धागे में बदल जाती। यही धागा बाद में करघों पर कपड़ों का रूप लेता था। सड़कें बढ़ीं, बाजार गांवों तक पहुंचे और सस्ते मशीन निर्मित कपड़े उपलब्ध होने लगे। इसके बाद ऊन और हाथ से बने वस्त्रों की मांग घटने लगी। भेड़ पालन में बढ़ती लागत, चरागाहों का सिमटना और युवा पीढ़ी का अन्य रोजगारों की ओर रुझान भी इस परंपरा के कमजोर होने का बड़ा कारण बना। आज कई गांवों में भेड़ों के बड़े झुंड दिखाई नहीं देते। तकली चलाने वाली बुजुर्ग महिलाएं और पुरूष तो हैं, लेकिन सीखने वाले हाथ नहीं हैं।

तकली का गायब होना केवल एक औजार का गायब होना नहीं है। इसके साथ एक पूरी जीवनशैली, लोक ज्ञान और पारंपरिक अर्थव्यवस्था भी खत्म होती जा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि भेड़ पालन, ऊन उत्पादन और पारंपरिक हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाए तो यह रोजगार का नया माध्यम बन सकता है। पर्यटन और हस्तशिल्प बाजारों से जोड़कर इस विरासत को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

70 वर्षीय ग्रामीण महिलाएं आज भी याद करती हैं कि कैसे शाम ढलते ही घर के आंगन में बैठकर तकली चलाई जाती थी। सर्दियों के लिए थुलमा और पंखी तैयार किए जाते थे। गांव के हर घर में ऊन की खुशबू और मेहनत की गर्माहट महसूस होती थी। अब वह दिन केवल स्मृतियों में हैं। तकली की घूमती धुरी धीरे-धीरे थम रही है और उसके साथ पहाड़ की एक अनमोल विरासत भी खामोश होती जा रही है।

पंजीकरण कर ही चारधाम यात्रा पर आएं श्रद्धालु

हमारे संवाददाता

पौड़ी। गढ़वाल मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने कहा कि उत्तराखंड के चारधामों केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री सहित हेमकुंड साहिब यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो रही है। वर्तमान में मौसम अनुकूल है तथा यात्रा मार्गों पर किसी प्रकार की विशेष बाधा नहीं है। उन्होंने देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे यात्रा पर आने से पूर्व अनिवार्य रूप से अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, जिससे यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाया जा सके।

मंडलायुक्त ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था के साथ विभिन्न स्थानों पर सात पंजीकरण केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं। पंजीकरण के माध्यम से यात्रियों की बेहतर निगरानी, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड केवल चारधाम यात्रा का केंद्र ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध अनेक पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों का प्रदेश है। श्रद्धालु चारधाम एवं हेमकुंड साहिब के अतिरिक्त अन्य प्रमुख स्थलों का भी भ्रमण कर सकते हैं, जहां प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं।

मंडलायुक्त ने यात्रियों से अपील की

कि वे जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों और एडवाइजरी का पालन करें तथा

●मौसम अनुकूल और व्यवस्थाएं पूरी: आयुक्त गढ़वाल

मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थान पर मौसम प्रतिकूल होने अथवा मार्ग प्रभावित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखी गयी हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर पार्किंग, स्वास्थ्य शिविर, पेयजल, शौचालय तथा ठहरने की समुचित सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। इसके अतिरिक्त धामों तक जाने वाले पैदल मार्गों एवं प्रमुख पार्किंग स्थलों पर भी स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गयी हैं। मंडलायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा सुरक्षित, सुगम और सुखद अनुभव बने। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से संयम, अनुशासन और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए यात्रा करने का आग्रह किया।

जोड़ों का दर्द हर दिन क्यों हो रहा है बुरा? जानिए 5 वजहें

जोड़ों में दर्द एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है और अगर आप इसे नजरअंदाज करते हैं तो यह बढ़ सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी गलतियां बताने जा रहे हैं, जो आपके जोड़ों के दर्द को और भी बुरा बना सकती हैं। इन गलतियों को समझकर आप अपने दर्द को कम करने और बेहतर आराम पाने में मदद कर सकते हैं।

व्यायाम न करना- नियमित व्यायाम न केवल आपके शरीर के लिए अच्छा होता है, बल्कि यह आपके जोड़ों के लिए भी फायदेमंद होता है। अगर आप नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते हैं तो आपके मांसपेशियों कमजोर हो जाती हैं और जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है। रोजाना कुछ मिनट टहलने या हल्की स्ट्रेचिंग करने से आपके जोड़ों को आराम मिलेगा और दर्द में कमी आएगी।

गलत खान-पान- खान-पान का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है, खासकर जब बात जोड़ों के दर्द की हो। अगर आपके खाने में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होगी तो इससे सूजन बढ़ सकती है, जिससे आपका दर्द बढ़ सकता है। इसलिए अपने खाने में विटामिन-सी, विटामिन-डी, कैल्शियम और ओमेगा-3 फैटी एसिड वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करें। इसके अलावा हरी सब्जियां और फल भी आपके जोड़ों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

वजन बढ़ना- अधिक वजन होना एक बड़ा कारण हो सकता है, जिससे आपके जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे आपके घुटनों, कूल्हों और पीठ में दर्द हो सकता है। इसलिए अपने वजन को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। सही खान-पान और नियमित व्यायाम करके आप अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा पानी का सेवन बढ़ाएं और जंक फूड से दूर रहें ताकि आपका शरीर स्वस्थ रहे और जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

पर्याप्त आराम न करना- अगर आप लगातार काम करते रहते हैं और पर्याप्त आराम नहीं करते तो इससे भी आपके जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है। शरीर को आराम देना बहुत जरूरी है ताकि वह खुद को ठीक कर सके। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप रोजाना कुछ समय आराम करें और सोने से पहले हल्की स्ट्रेचिंग करें। इससे आपके मांसपेशियों को आराम मिलेगा और जोड़ों पर दबाव कम होगा, जिससे आपका दर्द भी कम हो जाएगा।

गलत तरीके से उठना-बैठना- अक्सर हम बिना सोचे-समझे गलत तरीके से उठते-बैठते हैं, जिससे हमारे कमर और गर्दन पर बुरा असर पड़ता है। सही तरीके से उठने-बैठने की आदत डालें ताकि आपके जोड़ों पर कोई अतिरिक्त दबाव न पड़े। सही तरीका यह है कि जब भी आप उठें तो पहले अपने पैरों को थोड़ा मोड़ लें और फिर धीरे-धीरे खड़े हों। इसी तरह बैठते समय भी घुटनों को मोड़कर बैठें ताकि पीठ और गर्दन पर कोई अतिरिक्त दबाव न पड़े।

काली पड़ गई है कड़ाही तो अपनाएं ये 5 चमत्कारी घरेलू उपाय, आएगी नई जैसी चमक

कड़ाही का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, समय के साथ इसमें काले दाग लग जाते हैं, जो इसकी चमक को कम कर देते हैं। इन दागों को हटाने के लिए कुछ सरल और असरदार घरेलू नुस्खे अपनाए जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी कड़ाही को फिर से नया जैसा बना सकते हैं और लंबे समय तक इसका उपयोग कर सकते हैं।

गर्म पानी और सिरका आएगा काम- कड़ाही के काले दाग हटाने के लिए गर्म पानी और सिरका एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। सबसे पहले कड़ाही को गर्म पानी से भरें और उसमें 2 चम्मच सिरका मिलाएं। अब इसे 10-15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद नरम ब्रश या स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें। इससे कड़ाही के दाग आसानी से निकल जाएंगे और वह चमकने लगेगी। ध्यान रखें कि कड़ाही को ज्यादा जोर से न रगड़ें, ताकि उसकी सतह खराब न हो।

बेकिंग सोडा का करें उपयोग- बेकिंग सोडा भी कड़ाही की सफाई के लिए एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही को धोकर सुखा लें। फिर उसमें थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा छिड़कें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, ताकि वह अच्छी तरह से अवशोषित हो सके। इसके बाद नरम ब्रश या स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें। इससे कड़ाही के दाग आसानी से निकल जाएंगे और वह चमकने लगेगी। ध्यान रखें कि कड़ाही को ज्यादा जोर से न रगड़ें।

नींबू का रस करें इस्तेमाल- नींबू का रस प्राकृतिक रूप से खट्टा होता है, जो कड़ाही के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक नींबू को आधा काटकर उसके रस को दाग वाले हिस्से पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, फिर नरम कपड़े से पोंछ दें। इससे दाग आसानी से निकल जाएंगे और कड़ाही चमकदार हो जाएगी। यह तरीका न केवल असरदार है, बल्कि कड़ाही की सतह को नुकसान भी नहीं पहुंचाता, जिससे वह लंबे समय तक सही रहती है।

नमक और पानी का मिश्रण बनाएं- नमक और पानी का मिश्रण भी कड़ाही साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े में नमक डालकर उसे गीला करें। इसे दाग वाले हिस्से पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, ताकि वह अच्छी तरह से अवशोषित हो सके। इसके बाद नरम कपड़े से पोंछ दें। इससे कड़ाही के दाग आसानी से निकल जाएंगे और वह चमकने लगेगी। ध्यान रखें कि कड़ाही को ज्यादा जोर से न रगड़ें, ताकि उसकी सतह खराब न हो।

डिप्रेशन में दूध पीना कितना फायदेमंद

तेजी से भागती दौड़ती दुनिया में डिप्रेशन और एंजाइटी तेजी से अपने पैर पसार रहे हैं। कामकाज का तनाव,रिश्तों का तनाव हो या कंपटीशन का तनाव, इन सभी चीजों का असर सीधा मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। यही कारण है कि डॉक्टर फिजिकल फिटनेस के साथ साथ मेंटल फिटनेस पर भी फोकस करने की सलाह देते हैं। मेंटल फिटनेस की बात की जाए तो आप अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके डिप्रेशन और तनाव से छुटकारा पा सकते हैं। ऐसे में हाल ही में कराए गए कुछ अध्ययन कहते हैं कि डिप्रेशन और तनाव जैसी समस्याओं से बचना है तो डाइट में दूध को एड करने से फायदा मिलता है। चलिए जानते हैं कि दूध पीने से तनाव दूर होने का क्या कनेक्शन है।

हाल ही में इस संबंध में हुई एक स्टडी में कहा गया है कि तनाव या डिप्रेशन को दूर रखने के लिए विटामिन डी युक्त डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन लाभ करता है। डेयरी प्रोडक्टस में पाए जाने वाले पोषक तत्व मेंटल डिसऑर्डर को दूर रखने में सहायक होते हैं। इसके साथ ही शरीर में विटामिन डी की कमी से मेंटल फिटनेस पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अगर शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी की खुराक दी जाए तो मेंटल इलनेस जैसे तनाव, डिप्रेशन, एंजाइटी आदि में लाभ मिलता है। देखा जाए तो दूध सीधा डिप्रेशन पर असर नहीं करता, लेकिन इसके अंदर पाया जाने वाला विटामिन डी डिप्रेशन के जोखिमों को दूर करने में मददगार साबित होता है।

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि केवल दूध ही नहीं गाजर के सेवन से भी डिप्रेशन के लक्षणों में कमी आती है। गाजर में पाया जाने वाला बीटा कैरोटीन अवसाद में फायदा करता है और इससे मेंटल फिटनेस भी अच्छी होती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां भी करती हैं लाभ

हरी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाने वाला फोलेट डिप्रेशन से बचाने में सहायक साबित होता है। इन सब्जियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व तनाव और मेंटल इलनेस को दूर करते हैं। इसलिए रोज डाइट में एक ना एक हरी और पत्तेदार सब्जी जरूर शामिल करनी चाहिए।

पानी में नमक मिलाकर पोछा करने के होते हैं कई लाभ

पोछा करते समय हमारे अधिकांश घरों में एक रस्म है कि पानी में थोड़ा सा नमक मिलाकर पोछा लगाया जाता है। परंतु शायद हममें से बहुत कम लोगों को इसके पीछे के कारणों का पता होगा। दरअसल, पानी में नमक मिलाकर पोछा करने के कई लाभ होते हैं।

नमक पोछे पर लगे दाग-धब्बों और गंदगी को साफ करने में मदद करता है। नमक फर्श पर रगडने से दाग आसानी से निकल जाते हैं। साथ ही, नमक पोछे को डिसइन्फेक्ट भी करता है और बैक्टीरिया व वायरस को खत्म करता है। इससे पोछा साफ लगता है। नमक पोछे के रंग को भी फीका पडने से बचाता है। इस प्रकार, पानी में नमक डालकर पोछा करना एक उपयोगी परंपरा है जिसके कई लाभ हैं।

नमक वाले पानी से पोछा लगाने के कई फायदे होते हैं -

नमक फर्श पर लगे गंदगी और दाग-धब्बों को साफ करने में मदद करता है। नमक रगडने से दाग आसानी से उतर जाते हैं।

नमक फर्श को डिसइन्फेक्ट भी करता है और बैक्टीरिया-वायरस को खत्म कर फर्श को साफ बनाए रखता है।

नमक से फर्श पर लगने वाली बदबू भी दूर हो जाती है।

यह फर्श को चमकदार बनाता है।

नमक के पानी से पोछा लगाने से फर्श पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणु मर जाते हैं।

नमक एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है जो मक्खियों को दूर रखता है।

नमक फर्श की सतह को साफ और चिकना बनाता है।

नियमित नमक वाले पानी से पोछा लगाने से मक्खी दूर भागती है।

नमक फर्श की सफाई में मदद करता है और उसे सैनिटाइज भी करता है।

नमक सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। नमक से पोछा लगाने से घर में सकारात्मकता आती है।

नमक नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने में मदद करता है। यह घर को नकारात्मक तत्वों से बचाता है।

यह घर को बुरी नजर और अन्य नकारात्मक प्रभावों से बचाता है।

शब्द सामर्थ्य -213

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

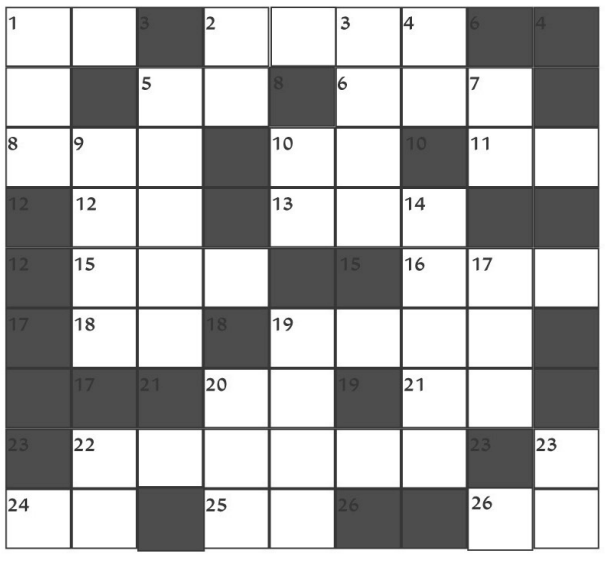

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 212 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

पर्याप्त पानी पीने के बावजूद शरीर हो सकता है डिहाइड्रेट, जानें इसके 5 संकेत

डिहाइड्रेशन तब होता है जब शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है। यह आमतौर पर गर्म मौसम, शारीरिक मेहनत या अधिक शराब पीने से होता है। कई लोग यह सोचते हैं कि पर्याप्त पानी पीने से वे डिहाइड्रेशन से बच सकते हैं, लेकिन यह हमेशा सही नहीं होता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आप पर्याप्त पानी पीने के बाद भी डिहाइड्रेशन का शिकार हो गए हैं।

अगर आपको अक्सर मुंह का सूखापन या थकान महसूस होती है तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है, भले ही आप पर्याप्त पानी पी रहे हों। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप इलेक्ट्रोलाइट्स वाले पेय का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं। इसके अलावा फल और सब्जियों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

पेशाब का रंग गहरा होना भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। अगर आपका पेशाब हल्का पीला या सफेद नहीं है तो इसका मतलब है कि आपका शरीर पर्याप्त पानी नहीं ले रहा है। इस स्थिति में आपको तुरंत अधिक पानी पीना चाहिए, ताकि आपका शरीर पानी से भरपूर रह सके। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखने में मदद करेगा। अगर आपको बिना किसी कारण के सिरदर्द होता है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके दिमाग को ठंडक देगा और दर्द को कम करेगा। इसके अलावा आप ठंडे पेय पदार्थों का सेवन भी कर सकते हैं, जो आपको पानी से भरपूर रखेंगे और सिरदर्द को दूर करेंगे। अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को ताजगी देगा और थकान को कम करेगा।

इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखेगा। अगर आपकी त्वचा सूखी और बेजान लग रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। इसके लिए आप नियमित रूप से पानी पिएं, ताकि आपकी त्वचा में नमी बनी रहे और वह स्वस्थ दिखे। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपकी त्वचा को पानी से भरपूर रखेगा और उसे ताजगी देगा। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं।

शर्ट के कॉलर पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 सुझाव

शर्ट के कॉलर पर अक्सर पसीने और गंदगी के जिद्दी दाग लग जाते हैं, जो आसानी से नहीं हटते। इन दागों के कारण शर्ट की चमक फीकी पड़ जाती है और वह गंदी दिखने लगती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शर्ट के कॉलर को नए जैसा बना सकते हैं और इन दागों को आसानी से हटा सकते हैं। ये तरीके बिना ज्यादा मेहनत के अपनाए जा सकते हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन घरेलू उपाय है, जिससे आप शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें और उसे दाग वाली जगह पर लगाएं। कुछ मिनट बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा।

सिरके और साबुन का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर साबुन लगाएं, फिर उस पर सिरका डालें और उसे कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। यह तरीका न केवल प्रभावी है, बल्कि आपके कपड़ों को भी नया जैसा बनाए रखता है।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड एक शक्तिशाली सफाई का साधन है, जो शर्ट के कॉलर से जिद्दी दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए कपड़े पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। इस तरीके से आप अपने कपड़ों को नया जैसा बनाए रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाकर उसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें। इससे दाग नरम हो जाएगा और आसानी से हट जाएगा। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके से न केवल दाग हटेंगे, बल्कि शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं और अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

डिटर्जेंट और पानी का घोल भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए डिटर्जेंट को पानी में मिलाकर एक घोल तैयार करें, फिर उसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी शर्ट के कॉलर को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

रानी चटर्जी ने शेयर किया लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी का बीटीएस वीडियो

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों अपनी फिल्म लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी को लेकर चर्चा में हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म के धमाकेदार गाने यू. पी. वाली बिहार वाली का पर्दे के पीछे का वीडियो शेयर किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में रानी के साथ उनकी सह-कलाकार संजना भी नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां गाने की धुन पर अच्छे से परफॉर्म करती दिख रही हैं। इसमें फिल्म के डायरेक्टर (निर्देशक) दोनों अभिनेत्रियों को गाने के स्टेप्स और उसके पीछे के भावों को गहराई से समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने फैंस से पूछते हुए लिखा, क्या आपने गाना सुना?

इस फिल्म में रानी उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं जबकि संजना बिहार की रहने वाली हैं। यह कहानी एक ही घर में रहने वाली दो अलग-अलग राज्यों की बहू के बीच होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक और प्यार भरे झगड़ों पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक तरफ लखनऊ की शानोशौकत वाली यूपी की लड़की और दूसरी तरफ अपनी सादगी और परंपराओं को मानने वाली बिहार की लड़की के बीच मजेदार मुकाबले होते हैं।

लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी के निर्देशक मंजुल ठाकुर हैं जबकि फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी हैं।

फिल्म में रानी चटर्जी जेठानी के किरदार में हैं तो संजना पांडे देवरानी के किरदार में हैं। दोनों ही भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। फिल्म का पहले नाम यू. पी. वाली बिहार वाली था लेकिन मेकर्स ने रिलीज से पहले ही इसका नाम बदलकर लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी रख दिया था। फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 मई और 24 मई को बी4यू भोजपुरी चैनल पर हुआ था।

शाहिद कपूर ने फैंस को दिखाया अपना बचपन का स्वैग, तस्वीर शेयर कर बोले- तब भी कमाल का था फैशन सेंस

अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल-2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। शनिवार को अभिनेता ने फैंस के साथ अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेता ने तस्वीर पोस्ट की। इसमें छोटा-सा शाहिद मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर बड़े ही स्वैग के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में शाहिद कपूर का अंदाज वाकई देखने लायक है। इस फोटो को शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, जब आपको बाइक्स का बेहद शौक हो और आपको खुद भी इस बात का अंदाजा न हो... जैसा कि आप इस फोटो में देख सकते हैं, मेरा फैशन सेंस भी बचपन से ही काफी शानदार था।

अभिनेता शाहिद कपूर जल्द ही आगामी फिल्म कॉकटेल-2 में नजर आएंगे। यह फिल्म सुपरहिट रोमांटिक ड्रामा फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। फिल्म का संगीत प्रीतम द्वारा तैयार किया गया है। इसका रोमांटिक ट्रैक तुझको, सॉन्ग माशूका और जब तलक पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

आधुनिक रिश्तों और भावनात्मक उलझनों पर आधारित इस फिल्म में एक नया और दिलचस्प लव-ट्रायंगल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी बिल्कुल नए किरदारों के साथ आज के दौर के आधुनिक रिश्तों पर आधारित है। बताया जा रहा है कि इसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल के रूप में नजर आ सकती हैं, जबकि शाहिद कपूर लव-ट्रायंगल का हिस्सा होंगे।

होमी अदजानिया इसके निर्देशक हैं, जिन्होंने पहली कॉकटेल का निर्देशन भी किया था। यह पहली बार है जब शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना एक साथ किसी फिल्म में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं।

फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब देखना होगा कि इस सीक्वल को दर्शक कैसा रिस्पॉन्स देते हैं।

देवल पहुंचे नेता प्रतिपक्ष आर्य, बोले, उत्तराखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त

नई टिहरी(आरएनएस)। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने देवल गांव में पहुंचकर केतन लाल की मृत्यु पर गहरा दुख जताते हुए परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। कहा कि सरकार को भी पीड़ित पक्ष को आर्थिक और न्यायिक सहयोग करना चाहिए जिससे पीड़ित परिवार को कानूनी लड़ाई लड़ने में मदद मिल सके। कहा कि महिला अपराध में उत्तराखंड पहले नंबर पर है। राज्यभर में दिन दहाड़े हत्याएं हो रही है। सरकार अपराधों को रोकने में नाकाम है। नेता प्रतिपक्ष आर्य ने देवल गांव में पहुंचकर मृतक केतन लाल के पिता धनपाल लाल समेत अन्य परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। कहा कि इस घटनाक्रम ने पूरे जन मानस को आहत किया है। परिवार को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर संघर्ष करेगी जब तक दोषियों को कानून के कटघरे में खड़ा कर पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता तब तक यह लड़ाई पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ जारी रहेगी। आरोप लगाया कि प्रदेश की कानून ध्वस्त हो चुकी है। भाजपा सरकार समाज को जाति,धर्म में बांटकर राजनीति करना चाहती है। राज्य में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने देवल घटना में घायल हुए दिवाकर डिमरी के परिजनों से भी मुलाकात कर हाल जान जाना।

तबीयत बिगड़ी तो पहुंचे अधिकारी, सकारात्मक आश्वासन पर अनशन खत्म

चमोली(आरएनएस)। महिला बेस अस्पताल सिमली में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने की मांग को लेकर चल रहा आमरण अनशन तीसरे दिन समाप्त हो गया। सोमवार सुबह डॉक्टरों ने उमेश खंडूड़ी का स्वास्थ्य जांचा तो उनके स्वास्थ्य में गिरावट दर्ज की गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी मौके पर पहुंचे और बताया कि स्वास्थ्य महानिदेशक की ओर से शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। इसके बाद जूस पिलाकर ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी का अनशन खत्म कराया गया। उमेश खंडूड़ी पांच जून से सत्याग्रह आंदोलन कर रहे थे और 13 जून से आमरण अनशन पर बैठे थे। तीसरे दिन स्वास्थ्य परीक्षण में उनका शुगर स्तर 60, बीपी 110/70 तथा वजन दो किलो कम पाया गया। तेज बुखार और शरीर में पानी की कमी के कारण उन्हें 108 सेवा की मदद से महिला बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्णा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों, तकनीशियनों तथा अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित मांगों का पत्र स्वास्थ्य महानिदेशक को भेज दिया गया है। इस मौके पर ग्राम प्रधान संघ थराली के ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह रावत, उषा देवी, विनीता डिमरी, भागवत मैठाणी, क्षेपंस भगवान कंडवाल, नरेंद्र तोपाल शास्त्री, तहसीलदार राम किशोर ध्यानी, एसआई सुनील कुमार, एसआई सरोज नौटियाल आदि मौजूद थे।

सू- दोकू क्र.213

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.212 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

रुद्रेश्वर महादेव की पावन पालकी का भ्रमण कार्यक्रम जारी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। रवांई घाटी के प्रसिद्ध आराध्य देव रुद्रेश्वर महादेव की पावन पालकी का जुलाई 2026 का क्षेत्रीय भ्रमण कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। केंद्रीय मंदिर समिति की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 30 जून को तिंया थान देवता गर्भगृह से बहार निकल कर एक जुलाई को 65 गांवों के प्रसिद्ध देवराना मेले में दर्शन देंगे। इसके उपरांत पालकी विभिन्न गांवों में भ्रमण कर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के अनुसार एक जुलाई को मटियाली, दो को बिंगसी, 3 को क्वाड़ी, 4 को सपेटा, 5 को मुराड़ी, 6 को तुनाल्का, 7 को मुंगरा, 8 को कोटियालगांव, 9 को सुनारा, 10 को सौदाड़ी, 11 को स्वील, 12 को ठढूंग, 13 को गैड मटियाली छानी, 14 को कंसोला, 15 को मंजियाली, 16 को नौगांव, 17 को मुलाना, 18 को देवलसारी, 19 को धारी बल्ली, 20 को नैणी, 21 को पिसांऊ, 22 को किम्मी, 23 को रस्टाड़ी, 24 को कंडाऊ, 25 को कोट मेला, 26 को थौलदार मेला, 27 को दुणी मेला तथा 28 जुलाई को बिल्ला मेले में देव डोली पहुंचेगी।

केंद्रीय मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन सिंह परमार ने बताया कि पालकी भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं को देव दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक गांव में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार देवता का भव्य स्वागत किया जाएगा। धार्मिक यात्रा को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और गांव-गांव में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा धार्मिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में सहयोग करने का आह्वान किया है। रुद्रेश्वर महादेव की यह यात्रा रवांई घाटी की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

देवलसारी थान में जयवीर अध्यक्ष व विपिन फिर बने सचिव रुद्रेश्वर देवता की देवलसारी मंदिर समिति के 13 गांवों की बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व कार्यकारिणी को यथावत रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में जयवीर परमार को पुन: अध्यक्ष, विपिन रमोला को सचिव तथा सोवेंद्र सिंह रावत को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति का कार्यकाल पांच वर्ष निर्धारित किया गया है। कार्यकारिणी में प्रत्येक गांव से दो-दो सदस्यों को भी शामिल किया गया। बैठक में आगामी 1 जुलाई से शुरू होने वाले रुद्रेश्वर देवता के क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ग्राम प्रधानों से सहयोग का आह्वान किया गया।

पुन: दायित्व मिलने पर पदाधिकारियों ने देवता के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने का भरोसा दिलाया। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता की।

मलमास समाप्त होते ही शुभ कार्यों के मुहूर्त दोबारा शुरू

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। सनातन धर्म संस्कृति के लिए सोमवार का दिन विशेष धार्मिक महत्व लेकर आया। अधिमास (मलमास) के समापन के साथ ही दोपहर में सूर्य के मिथुन राशि में प्रवेश करने पर पावन आषाढ़ माह का शुभारंभ हो गया। ज्योतिषाचार्य आचार्य आनंद प्रकाश नौटियाल ने बताया कि इसके साथ ही विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत सहित सभी मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त पुन: प्रारंभ हो गए हैं। मलमास की समाप्ति पर श्रीनगर स्थित कमलेश्वर महादेव मंदिर में पूरे अधिमास के दौरान नियमित दीपदान करने वाली महिलाओं ने विशेष पूजा-अर्चना कर अपने एक माह के अनुष्ठान का समापन किया। मंदिर में पंडित प्रकाश चंद्र खंखरियाल एवं पंडित जगदीश प्रसाद नैथानी ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। दीपदान में शामिल महिलाओं इंदू, शारदा और भागी देवी ने बताया कि एक माह तक निरंतर भगवान शिव की आराधना और दीपदान करने का अपना अलग आध्यात्मिक महत्व है।

लक्ष्मेश्वर शक्ति केंद्र की बैठक में संगठन विस्तार और मतदाता जागरूकता पर हुई चर्चा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अल्मोड़ा के अंतर्गत लक्ष्मेश्वर शक्ति केंद्र की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी रणनीति, बूथ स्तर पर कार्यों की समीक्षा, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा मतदाता जागरूकता से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों और जनसंपर्क अभियानों को लेकर अपने सुझाव भी रखे। बैठक में वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने तथा सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया। दर्जामंत्री गोविंद सिंह पिलख्वाल ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसके लिए व्यापक जागरूकता जरूरी है। जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि संगठनात्मक बैठकों का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और संवाद को मजबूत करना भी है। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से इन्हें आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के बाद टिफिन बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आपसी संवाद के माध्यम से संगठनात्मक संबंधों को और सुदृढ़ किया। बैठक में दर्जा राज्य मंत्री कुंदन लटवाल, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, शक्ति केंद्र संयोजक संजीव जोशी, पार्षद मीरा मिश्रा, पार्षद अमित साह, पार्षद अभिषेक जोशी, पूरन चंद्र तिवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अर्जुन बिष्ट और देवेंद्र भट्ट ने किया।

व्यापार सभा की युवा टीम पर कांग्रेस-भाजपा की नजर

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। व्यापार सभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही शहर का सियासी पारा भी चढ़ गया है। आगामी विधानसभा चुनावों के नजदीक आते ही कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही प्रमुख दल व्यापार सभा के नवनिर्वाचित युवा पदाधिकारियों को अपने-अपने पाले में खींचने की कवायद में जुट गए हैं। दोनों पार्टियां इस युवा नेतृत्व को रिझाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने व्यापार सभा के पदाधिकारियों से उनके प्रतिष्ठानों पर जाकर बारी-बारी से मुलाकात की। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुज जोशी, महासचिव छवि प्रकाश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष पंकज नेगी से मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। राजनीतिक सूत्रों की मानें तो अपने इस स्वागत दौरे में गोदियाल आगामी चुनावों के लिए एक बड़ा सियासी शिगूफा भी छोड़ गए हैं। कांग्रेस की इस सक्रियता के बाद अब भाजपा भी पीछे रहने वाली नहीं है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि मंगलवार को राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी और श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी व्यापार सभा की इस युवा टीम से मुलाकात करेंगे। चुनाव के मुहाने पर हो रही इन मुलाकातों को बेहद अहम माना जा रहा है।

श्रीनगर की व्यापार सभा पूरे उत्तराखंड की व्यापारिक राजनीति में एक बेहद अहम किरदार निभाती आई है। यह संगठन हमेशा से बड़े और प्रभावशाली फैसले लेने के लिए जाना जाता है। इस बार चूंकि व्यापार सभा की कमान पूरी तरह से युवाओं के हाथों में है, इसलिए इसका सियासी महत्व और भी बढ़ गया है। विधानसभा चुनावों को देखते हुए युवा नेतृत्व का यह साथ किसी भी पार्टी के लिए संजीवनी का काम कर सकता है। सोशल मीडिया पर भी दोनों ही पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता इन युवा पदाधिकारियों को लगातार बधाई संदेश देकर अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि यह ऊंट किस करवट बैठता है। मंगलवार को भाजपा के शीर्ष नेताओं की मुलाकात के बाद यह स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो जाएगी लेकिन इतना तय है कि दोनों ही दल श्रीनगर व्यापार सभा के इस युवा जोश को अपने पक्ष में भुनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

नदियों के सफाई अभियान में जुटा प्रशासनए 12 जेसीबी और 15 डम्परों से चल रहा सफाई अभियान

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने राजीव नगर क्षेत्र से रिस्पना नदी में चल रहे सफाई एवं पुनरुद्धार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

आज यहां जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने राजीव नगर क्षेत्र से रिस्पना नदी में चल रहे सफाई एवं पुनरुद्धार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर सौरभ थपलियाल तथा मुख्य नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय भी उपस्थित रहे। महापौर एवं अधिकारियों ने मौके पर सफाई कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्वयं ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर सफाई अभियान की प्रगति का निरीक्षण किया तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं गति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व रिस्पना नदी की व्यापक सफाई सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे वर्षाकाल में जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनी रहे तथा नदी संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिल सके। नगर निगम देहरादून द्वारा मार्च माह से नगर निगम क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक लगभग 17 हजार मीट्रिक टन कूड़े का उठान किया जा चुका है। नगर निगम द्वारा बिंदाल नदी के लगभग 8 किलोमीटर तथा रिस्पना नदी के लगभग 12 किलोमीटर क्षेत्र में व्यापक सफाई कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न नदी-नालों एवं जलधाराओं में भी अभियान के रूप में नियमित सफाई कार्य जारी है। जिला प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा रिस्पना नदी की सफाई एवं पुनरुद्धार का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इस अभियान में नगर निगम द्वारा 12 जेसीबी मशीनें एवं 15 डम्पर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से नदी क्षेत्र से कूड़ा, मलबा एवं अवरोधों को हटाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नमामि गंगे एवं जिला स्वच्छता समिति के माध्यम से नदी संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके अंतर्गत ऐसे स्थानों का चिन्हीकरण किया जा रहा है जहां कूड़े के ढेर लगे हुए हैं तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाएगा। साथ ही, नदी में गिरने वाले बिना उपचारित (अनट्रीटेड) नालों के जल के उपचार की दिशा में भी प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

केदारनाथ का कायाकल्प पीएम मोदी..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सुविधा केंद्र, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था विकसित की गई। हेलीकॉप्टर सेवाओं के विस्तार से दूर-दराज के श्रद्धालुओं के लिए यात्रा आसान हो गई है।

तीरथ सिंह रावत ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे केदारनाथ यात्रा अवश्य करें। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा, "प्लास्टिक का उपयोग न करें और यात्रा मार्गों तथा धाम को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दें। केदारनाथ हमारी आस्था का प्रतीक है, इसे साफ-सुथरा रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।" केदारनाथ का यह नवनिर्माण न केवल उत्तराखंड की आध्यात्मिक विरासत को मजबूत कर रहा है, बल्कि पूरे देश को प्रेरणा दे रहा है कि सही इरादे, दूरदर्शी नेतृत्व और सामूहिक प्रयास से असंभव भी संभव हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हिमालय की इस पावन भूमि पर हो रहा विकास भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक अनमोल उपहार है। यह पुनर्निर्माण यात्रा 2014 से शुरू हुई थी, जब पीएम मोदी ने केदारनाथ आने के बाद पूरे क्षेत्र के विकास का खाका तैयार किया। आज यह धाम न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि आर्थिक रूप से भी अभूतपूर्व पुनर्विकास और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के दम पर केदारनाथ धाम ने नया स्वरूप लिया है। बेहतर क्राउड मैनेजमेंट और सुरक्षा व्यवस्था के कारण, अब हर वर्ष 15-20 लाख से अधिक तीर्थयात्री सुरक्षित रूप से बाबा केदारनाथ के दर्शन का पुण्य लाभ उठा रहे हैं।

गांवों से लेकर सोशल मीडिया तक ...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

चुनाव 2027 में सोशल मीडिया की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रहने वाली है। भाजपा और कांग्रेस दोनों डिजिटल प्लेटफार्म पर अपनी मौजूदगी मजबूत करने में लगी हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक पेज, यूट्यूब चौनल और इंस्टाग्राम के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति बनाई जा रही है। राजनीतिक दल अब केवल रैलियों और सभाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करना चाहते हैं। दोनों दलों के सामने एक बड़ी चुनौती अपने नाराज नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ रखने की भी है। भाजपा और कांग्रेस दोनों में ऐसे नेता हैं जो टिकट और संगठनात्मक जिम्मेदारियों को लेकर असंतुष्ट रहे हैं। चुनाव नजदीक आते ही डैमेज कंट्रोल की राजनीति भी तेज हो गई है। वरिष्ठ नेता लगातार संवाद स्थापित कर संगठन को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 का चुनाव विकास बनाम जनमुद्दों की लड़ाई के रूप में सामने आ सकता है। भाजपा जहां अपनी उपलब्धियों और केंद्र-राज्य सरकार की योजनाओं को मुद्दा बनाएगी, वहीं कांग्रेस जनता से जुड़े सवालों को लेकर चुनावी मैदान में उतरेगी। हालांकि चुनाव में अभी समय है, लेकिन उत्तराखंड की राजनीति में चुनावी बिगुल बज चुका है। गांव की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया तक दोनों दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। आने वाले महीनों में राजनीतिक गतिविधियां और तेज होंगी और प्रदेश की जनता के बीच वादों, दावों और आरोप-प्रत्यारोपों का दौर भी बढ़ेगा।

अतिथि देवो भवः की संस्कृति पर चोट

- चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन में बढ़ रहे दुर्व्यवहार के मामले
- स्थानीय के साथ मारपीट, अभद्रता और दबंगई की घटनाएं बढ़ी
- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियों बढ़ा रहे सभी की चिंता
- सरकार और प्रशासन पर समय रहते सख्ती नहीं करने के आरोप

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सदियों से अपनी सरलता, सहनशीलता और अतिथि देवो भवः की परंपरा के लिए पहचाने जाने वाले पहाड़ के लोग आज भीतर ही भीतर रो रहे हैं, जिन पहाड़ों ने देश-दुनिया से आने वाले पर्यटकों और श्र(ालुओं का खुले दिल से स्वागत किया, वहीं अब कई जगहों पर स्थानीय लोग खुद को असुरक्षित और अपमानित महसूस कर रहे हैं। चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन के दौरान लगातार सामने आ रही घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि देवभूमि का धैर्य अब जवाब देने लगा है।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां बाहरी राज्यों से आए कुछ पर्यटक और श्र(ालु स्थानीय लोगों के साथ अभद्र व्यवहार करते दिखाई दे रहे हैं। कहीं सड़क पर विवाद के दौरान मारपीट हो रही है तो कहीं होटल, ढाबों और टैक्सी चालकों के साथ बदसलूकी की घटनाएं सामने आ रही हैं। कई मामलों में महिलाओं और बुजुर्गों तक के साथ दुर्व्यवहार के आरोप लगे हैं।

उत्तराखंड की संस्कृति हमेशा से मेहमानों के सम्मान की रही है। पहाड़ के लोग अपने सीमित संसाधनों के बावजूद यात्रियों की मदद के लिए आगे आते रहे हैं। आपदा हो या यात्रा का कठिन रास्ता, स्थानीय लोग हमेशा सहारा बनते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन के बढ़ते दबाव के साथ व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़ी संख्या में आने वाले कुछ पर्यटक पहाड़ को पर्यटन स्थल नहीं बल्कि मौज-मस्ती का मैदान समझने लगे हैं। शराब पीकर हुड़दंग, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, धार्मिक स्थलों की मर्यादा का उल्लंघन और स्थानीय लोगों के साथ अभद्रता जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं।

चारधाम यात्रा को आस्था का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। हर साल लाखों श्र(ालु बाबा केदार, बदरीविशाल, हेमकुंड, गंगोत्री और यमुनोत्री के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में यात्रा मार्गों पर कई बार श्र(ालुओं और स्थानीय लोगों के बीच विवाद की खबरें सामने आई हैं। स्थानीय व्यापारियों, टैक्सी चालकों और होटल संचालकों का कहना है कि कुछ लोग यात्रा पर श्र(ा से कम और दबंगई के प्रदर्शन के लिए अधिक आते दिखाई देते हैं। मामूली बातों पर गाली-गलौज और मारपीट तक की नौबत आ जाती है।

पहले ऐसी घटनाएं स्थानीय स्तर तक सीमित रह जाती थीं, लेकिन अब मोबाइल कैमरों और सोशल मीडिया ने पूरी तस्वीर सामने ला दी है। आए दिन ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं जिनमें पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच झगड़े, सड़क पर हंगामा और कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ती दिखाई देती हैं। इन वीडियो के बाद प्रदेशभर में यह बहस तेज हो गई है कि आखिर देवभूमि की गरिमा को बचाने के लिए क्या किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकार पर्यटन और यात्रा के आंकड़ों को लेकर तो उत्साहित दिखाई देती है, लेकिन उससे जुड़ी चुनौतियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। पर्यटन बढ़ने के साथ कानून व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण और स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था की जरूरत है। कई सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त नियम नहीं बनाए गए तो स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ सकता है। उनका मानना है कि उत्तराखंड केवल पर्यटन उद्योग नहीं बल्कि लाखों लोगों का घर भी है और उनकी गरिमा तथा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हजारों परिवारों की आजीविका पर्यटन और यात्रा सीजन पर निर्भर है। यही कारण है कि कई बार अपमान और दुर्व्यवहार झेलने के बावजूद स्थानीय लोग खुलकर विरोध नहीं कर पाते। उन्हें डर रहता है कि कहीं उनकी रोजी-रोटी प्रभावित न हो जाए। लेकिन अब हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि पहाड़ की खामोशी के पीछे गहरा आक्रोश दिखाई देने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तराखंड में पर्यटन और तीर्थाटन का स्वागत होना चाहिए, लेकिन इसके साथ अनुशासन और जवाबदेही भी जरूरी है। जो लोग देवभूमि में आते हैं, उन्हें यहां की संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय समाज का सम्मान करना होगा। उत्तराखंड केवल पहाड़, नदियां और मंदिर नहीं है। यह उन लोगों की भूमि है जिन्होंने सदियों से इन पहाड़ों को जिंदा रखा है। यदि स्थानीय लोगों का सम्मान और सुरक्षा खतरे में पड़ती है तो इसका असर केवल समाज पर नहीं बल्कि पर्यटन और तीर्थाटन की पूरी व्यवस्था पर पड़ेगा। आज पहाड़ मानो सरकार, प्रशासन और समाज से एक ही सवाल पूछ रहा है।

स्कूटी से 80000 रुपये से भरा बैग चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूटी से हजारों रूपये से भरा बैग चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर निवासी महावीर सिंह रावत ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार गया था तथा उसने अपनी स्कूटी एक दुकान के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह वापस आया तो उसकी स्कूटी में रखा बैग गायब था। बैग में उसके 80 हजार रूपये नगद, पासबुक, चैक बुक व अन्य दस्तावेज रखे थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हत्या मामले में फरार दो आरोपियों के घर ढोल-नगाड़ों के साथ कार्रवाई

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के मामले में लगातार फरार चल रहे दो आरोपियों के घर आज पुलिस द्वारा ढोल-नगाड़ों के साथ 84 बीएनएसएस उद्घोषणा की कार्रवाई की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 17 मई को होटल धरोहर में कलीम नामक युवक की होटल संचालकों द्वारा मारपीट किए जाने से मृत्यु हो गई थी। उक्त घटना के संबंध में दर्ज मुकदमें में भगवानपुर पुलिस द्वारा पूर्व में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है।

हत्या के इस गंभीर प्रकरण में नामजद आरोपी अर्पित पुत्र प्रवीण चौहान निवासी खुब्बनपुर, कोतवाली भगवानपुर, जनपद हरिद्वार तथा ऋषिकेश सिंह पुत्र रमेश

सिंह निवासी खुब्बनपुर, कोतवाली भगवानपुर, जनपद हरिद्वार लगातार गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे हैं। जिनकी गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में न्यायालय रुड़की से प्राप्त आदेश के अनुपालन में आज धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत मुकदमें से संबंधित दोनों फरार आरोपियों के निवास स्थानों पर पहुंचकर पुलिस टीम द्वारा ढोल-नगाड़ों के साथ उद्घोषणा की कार्रवाई की गई।

उद्घोषणा के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया गया कि उक्त आरोपी न्यायालय द्वारा निर्धारित अवधि में उपस्थित हों, अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सरकारी 'नाकामी' ने छीनी एक 'उम्मीद'

●नीट विवाद की भेंट चढ़ी देहरादून की एक होनहार जिंदगी
●नीट विवाद में घिरा सिस्टम, सवालों के घेरे में सरकार
●देहरादून की छात्रा की मौत ने खड़े किए कई सवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देहरादून में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत ने केंद्र सरकार और परीक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि छात्रा ने अपने सुसाइड नोट में लिखा था कि उसने नीट परीक्षा की अच्छी तैयारी की थी और उसे अच्छी रैंक आने की पूरी उम्मीद थी। लेकिन जिस परीक्षा व्यवस्था पर उसने भरोसा किया, वही व्यवस्था विवादों और अनिश्चितताओं में उलझ गई।

यह घटना केवल एक छात्रा की मौत नहीं है, बल्कि उस सरकारी व्यवस्था पर सवाल है जो करोड़ों युवाओं के भविष्य की जिम्मेदारी संभालने का दावा करती है। जब छात्र सालों तक दिन-रात मेहनत करते हैं, परिवार अपनी जमा पूंजी बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करता है और फिर परीक्षा की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं, तो सबसे बड़ा धोखा उन युवाओं के साथ होता है जिन्होंने ईमानदारी से मेहनत की होती है।

देश में पिछले कुछ वर्षों में भर्ती परीक्षाओं से लेकर प्रवेश परीक्षाओं तक पेपर लीक की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। हर बार सरकार जांच, कार्रवाई और सुधार के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदलती। नीट जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षा में भी विवाद सामने आना इस बात का प्रमाण है कि सरकार परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने में पूरी तरह सफल नहीं रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि परीक्षा प्रणाली में सेंध लगती है तो उसकी सजा छात्रों को क्यों भुगतनी पड़ती है? आखिर उन अधिकारियों और एजेंसियों की जवाबदेही कब तय होगी जिनकी जिम्मेदारी परीक्षा को निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना है?

देहरादून की छात्रा के सुसाइड नोट की पंक्तियांकृमैंने अच्छी तैयारी की थी, मुझे अच्छी रैंक आने की उम्मीद थीकृसरकारी दावों की पोल खोलती नजर आती हैं। यह केवल एक छात्रा की पीड़ा नहीं, बल्कि लाखों युवाओं की आवाज है जो आज यह महसूस कर रहे हैं कि उनकी मेहनत व्यवस्था की खामियों के सामने बेबस है। सरकार लगातार युवाओं को देश का भविष्य बताती है, लेकिन जब वही युवा परीक्षा विवादों, बेरोजगारी और अनिश्चितता से जूझ रहे हों तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर युवाओं की चिंता प्राथमिकता में क्यों नहीं है?

बता दें कि नीट देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसमें हर साल लाखों विद्यार्थी डाक्टर बनने का सपना लेकर शामिल होते हैं। वर्ष 2026 में भी 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई और दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया। इस निर्णय ने छात्रों को मानसिक रूप से झकझोर दिया। महीनों की मेहनत, आर्थिक खर्च और भावनात्मक दबाव के बाद छात्रों को फिर उसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। एक मेडिकल छात्र बनने का सपना केवल छात्र का नहीं होता, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदें उससे जुड़ी होती हैं। कई परिवार अपनी आर्थिक सीमाओं को पार कर बच्चों को कोचिंग और पढ़ाई के बेहतर अवसर उपलब्ध कराते हैं। ऐसे में जब परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं या परीक्षा रद्द होती है, तो सबसे बड़ा आघात उन छात्रों को पहुंचता है जिन्होंने ईमानदारी से तैयारी की होती है। देहरादून की छात्रा के सुसाइड नोट में लिखे शब्दकृमैंने अच्छी तैयारी की थी, मुझे अच्छी रैंक की उम्मीद थी आज पूरे देश के छात्रों की पीड़ा को सामने ला रहे हैं। यह सवाल उठ रहा है कि आखिर छात्रों की मेहनत का मूल्य कौन चुकाएगा?

किसी भी लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी नागरिकों का भरोसा बनाए रखना होती है। लेकिन जब करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़ी परीक्षाओं पर बार-बार सवाल उठें, जब मेहनती छात्र निराशा में डूबने लगें और जब एक छात्रा अपने नोट में अपनी मेहनत और उम्मीदों का जिक्र करके दुनिया से विदा हो जाए, तब यह केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रह जाती, बल्कि शासन और व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन जाती है। आज देश जानना चाहता है कि परीक्षा प्रणाली की खामियों की जिम्मेदारी कौन लेगा? कितने और युवाओं के सपने टूटेंगे? और आखिर कब सरकार ऐसी व्यवस्था दे पाएगी जिस पर छात्रों को पूरा भरोसा हो सके?

आबकारी विभाग ने भारी मात्रा में शराब बरामद की

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद में अवैध रूप से बिक रही शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चोपड़ा बाजार में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान दो व्यक्तियों के प्रतिष्ठानों से कुल 14 बोतल, 23 अध्दे एवं 146 पव्वे मैकडॉवल व्हिस्की बरामद की गई है।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में लगातार चारधाम यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए आबकारी विभाग के निरीक्षक आनंद चौहान के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा चोपड़ा बाजार क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान संदिग्ध दुकानों की नियमानुसार तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान अवैध रूप से रखी गई अंग्रेजी शराब बरामद हुई। विभाग ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध उत्तराखंड आबकारी अधिनियम के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आबकारी निरीक्षक आनंद चौहान ने बताया कि जनपद में अवैध मदिरा के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

गौरीकुंड क्षेत्र में नदी किनारे मिला शव

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। गौरीकुंड क्षेत्र में नदी किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाते हुए उक्त शव को बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 5.30 बजे एक घोड़ा संचालक द्वारा सूचना दी गई कि गौरीकुंड छोटी पार्किंग के समीप नदी किनारे एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट सोनप्रयाग की टीम द्वारा कोतवाली सोनप्रयाग को अवगत कराते हुए निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह के नेतृत्व में तत्काल घटनास्थल के लिए प्रस्थान किया गया। एसडीआरएफ टीम घटनास्थल पर पहुँची, जहाँ एक अज्ञात व्यक्ति नदी किनारे मृत अवस्था में पाया गया। टीम द्वारा आवश्यक सावधानी बरतते हुए शव को स्ट्रेचर की सहायता से दुर्गम क्षेत्र से मुख्य सड़क तक पहुँचाया गया तथा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई हेतु जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। मृतक अभी अज्ञात है। शिनाख्त की कार्यवाही की जा रही है।

हाईटेंशन की चपेट में आया लाइनमैन, हालत गंभीर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भंगेड़ी क्षेत्र में विद्युत लाइन पर कार्य कर रहे एक आउटसोर्स लाइनमैन के साथ बड़ा हादसा हो गया। कार्य के दौरान वह अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा और वह खंभे से नीचे जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर रूप से झुलसे कर्मचारी को तत्काल उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार मुकीम पुत्र यूसुफ विद्युत विभाग में आउटसोर्स लाइनमैन के रूप में कार्यरत है। सोमवार को वह भंगेड़ी क्षेत्र में एक विद्युत खंभे पर चढ़कर लाइन संबंधी कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक वह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और वह खंभे से सीधे नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया।स्थानीय लोगों और सहकर्मियों की मदद से घायल लाइनमैन को दुर्गा चौक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया है।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में परिजनों के अलावा विद्युत विभाग के कर्मचारी और अधिकारी भी पहुंच गए। अस्पताल परिसर में देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही और सभी घायल कर्मचारी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित नजर आए। हादसे के कारणों को लेकर विभागीय स्तर पर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

एक्सपायरी डेट का सामान थमाया जा रहा आंगनबाड़ी केंद्रों को: मोर्चा

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य द्वारा

❑महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग का है मामला

सिर्फ और सिर्फ अपना विकास किया जा रहा है, जिसके तहत इनके द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को घटिया एवं एक्सपायरी डेट वाली खाद्य सामग्री मुहैया कराई जा रही है। आपूर्तिकर्ता कंपनी केंद्रीय भंडार, मसूरी के माध्यम से इन आंगनबाड़ी केंद्रों को खाद्य सामग्री तथा दलिया-सत्तू-कुक्ड फूड- बाल भोग व हलवा आदि सामग्री थमायी जा रही है तथा ये सामान आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों (बाल्यों) को वितरित की जा रही है, जिसकी गुणवत्ता इतनी खराब है कि इसको इंसान तो क्या जानवर भी खाना पसंद नहीं कर रहे!

नेगी ने कहा वैसे तो आंगनवाड़ी वर्कर्स हेतु जो साड़ियां एवं सूट्स आदि जबरन थोपे जा रहे हैं, उनकी गुणवत्ता इतनी खराब है कि उसको वर्कर्स पहनना/इस्तेमाल करना भी पसंद नहीं करती। कई आंगनबाड़ी केंद्रों में यह खाद्य सामग्री सड रही है, जिसका कारण यह है कि लोग इसको इस्तेमाल करना ही नहीं चाह रहे। आखिर इस टेक होम राशन व अन्य खरीद की आड़ में कब तक कमीशन खोरी का खेल चलता रहेगा। डीबीटी के माध्यम से इस खाद्य सामग्री के बदले लाभार्थियों के खाते में सीधा पैसा क्यों नहीं डाला जाता। उन्होने कहा कि मोर्चा मंत्री रेखा आर्य को आगाह करता है कि वह गर्भवती महिलाओं एवं बाल्यों के जीवन से खिलवाड़ न करें वरना आर-पार की लड़ाई होगी। पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह व पछवादून अध्यक्ष अमित जैन मौजूद थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।